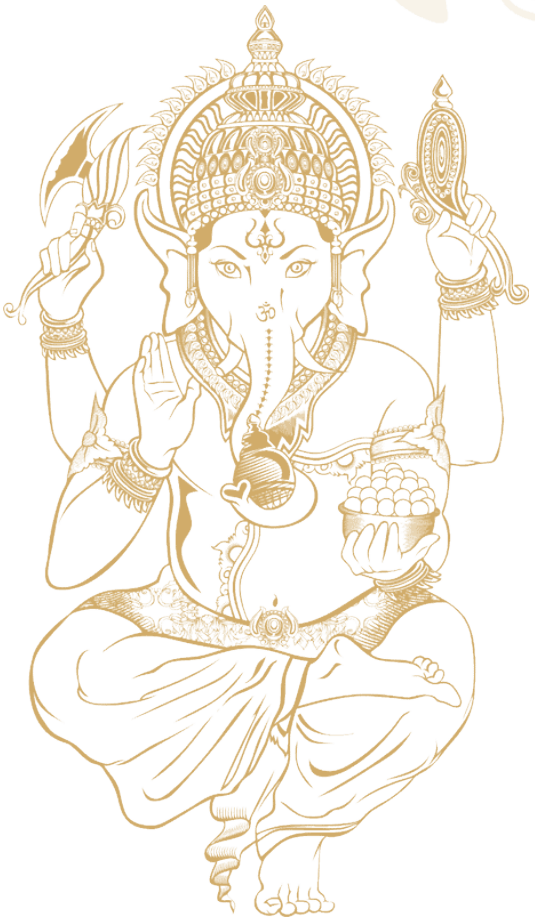

Mr.

16 May 2025

03:04 PM

Bangalore

Model: web-freekundliweb

Order No: 121884705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/05/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:04:00 घंटे**
इष्ट	22:54:12 घटी
स्थान	**Bangalore**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	13:00:00 उत्तर
रेखांश	77:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:44:20 घंटे
वेलान्तर	00:03:37 घंटे
साम्पातिक काल	06:21:45 घंटे
सूर्योदय	05:54:19 घंटे
सूर्यास्त	18:37:59 घंटे
दिनमान	12:43:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	01:33:41 वृष
लग्न के अंश	11:10:28 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:10:28	357:14:54	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			वृष	01:33:41	00:57:50	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	12:47:13	12:23:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	18:46:47	00:30:00	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध			मेष	16:15:48	01:52:35	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	00:21:39	00:12:53	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	16:44:36	00:49:01	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	05:04:56	00:05:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मीन	01:06:53	00:08:59	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:06:53	00:08:59	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	02:59:37	00:03:30	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप			मीन	07:18:59	00:01:30	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	09:34:30	00:00:19	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	10:46:49	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:42

लग्न-चलित

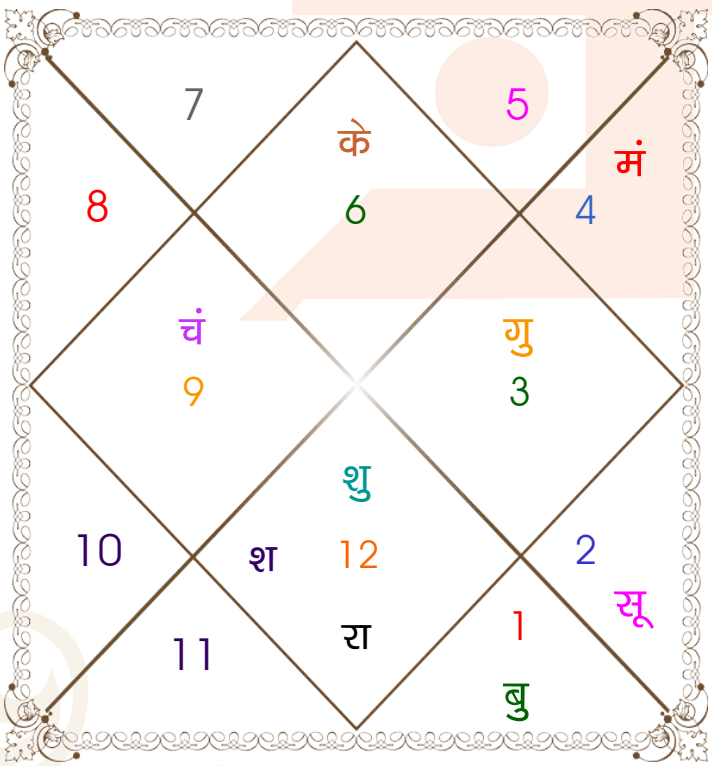

चन्द्र कुंडली

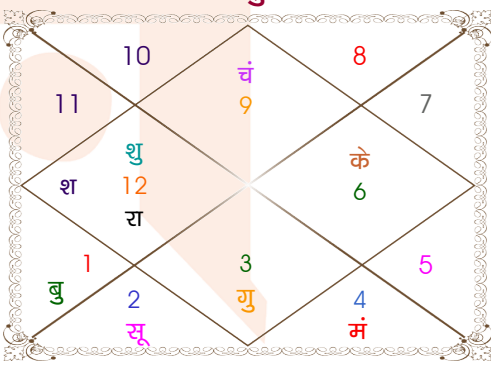

नवमांश कुंडली

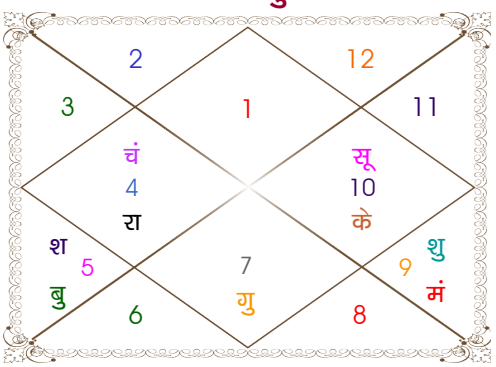

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 3 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
16/05/2025		29/08/2025		29/08/2045		29/08/2051		29/08/2061	
29/08/2025		29/08/2045		29/08/2051		29/08/2061		29/08/2068	
	00/00/0000	शुक्र	28/12/2028	सूर्य	16/12/2045	चंद्र	29/06/2052	मंगल	25/01/2062
	00/00/0000	सूर्य	29/12/2029	चंद्र	17/06/2046	मंगल	28/01/2053	राहु	13/02/2063
	00/00/0000	चंद्र	29/08/2031	मंगल	23/10/2046	राहु	30/07/2054	गुरु	19/01/2064
	00/00/0000	मंगल	29/10/2032	राहु	17/09/2047	गुरु	29/11/2055	शनि	27/02/2065
	00/00/0000	राहु	29/10/2035	गुरु	05/07/2048	शनि	29/06/2057	बुध	24/02/2066
	00/00/0000	गुरु	29/06/2038	शनि	17/06/2049	बुध	28/11/2058	केतु	24/07/2066
	00/00/0000	शनि	29/08/2041	बुध	23/04/2050	केतु	30/06/2059	शुक्र	23/09/2067
	16/05/2025	बुध	29/06/2044	केतु	29/08/2050	शुक्र	27/02/2061	सूर्य	29/01/2068
बुध	29/08/2025	केतु	29/08/2045	शुक्र	29/08/2051	सूर्य	29/08/2061	चंद्र	29/08/2068

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/08/2068		29/08/2086		30/08/2102		30/08/2121		30/08/2138	
29/08/2086		30/08/2102		30/08/2121		30/08/2138		17/05/2145	
राहु	12/05/2071	गुरु	16/10/2088	शनि	02/09/2105	बुध	27/01/2124	केतु	26/01/2139
गुरु	04/10/2073	शनि	30/04/2091	बुध	12/05/2108	केतु	23/01/2125	शुक्र	27/03/2140
शनि	10/08/2076	बुध	05/08/2093	केतु	21/06/2109	शुक्र	24/11/2127	सूर्य	02/08/2140
बुध	28/02/2079	केतु	11/07/2094	शुक्र	21/08/2112	सूर्य	29/09/2128	चंद्र	03/03/2141
केतु	17/03/2080	शुक्र	11/03/2097	सूर्य	03/08/2113	चंद्र	01/03/2130	मंगल	30/07/2141
शुक्र	18/03/2083	सूर्य	29/12/2097	चंद्र	04/03/2115	मंगल	26/02/2131	राहु	18/08/2142
सूर्य	10/02/2084	चंद्र	30/04/2099	मंगल	12/04/2116	राहु	14/09/2133	गुरु	25/07/2143
चंद्र	11/08/2085	मंगल	06/04/2100	राहु	17/02/2119	गुरु	21/12/2135	शनि	02/09/2144
मंगल	29/08/2086	राहु	30/08/2102	गुरु	30/08/2121	शनि	30/08/2138	बुध	17/05/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।